

जी.बी.एच. आरोग्यम्

वर्ष - 5 | अंक 20

अगस्त • सितम्बर • अक्टूबर 2016

 जी.बी.एच. अमेरिकन हॉस्पिटल

 जी.बी.एच. जनरल हॉस्पिटल

 उद्योग, विपणन और सेवा जी.बी.एच. मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल

 **American International**
Institute of Medical Sciences, Udaipur





आप सभी को दीपोत्सव और आगामी नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। यह दीपोत्सव हम सभी के लिए खुशियों भरा रहे और हमारे घर-परिवार में सदा उजाला बना रहे, आरोग्य रहे। मैं ईश्वर से खुद के लिए और आप सभी के लिए यही कामना करता हूँ। हर्ष का विषय है कि दक्षिण राजस्थान के एक मात्र कॉर्पोरेट हॉस्पिटल, कैंसर हॉस्पिटल के बाद हमने आपको मेडिकल साइंस के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर अध्ययन की कड़ी से जोड़ा है।

आम लोगों को सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं, सुविधाओं को लाभ दिलाते हुए इलाज मुहैया कराने के लिए जनरल हॉस्पिटल की शुरुआत की है। मेडिकल साइंस में अध्ययन, रिसर्च के लिए इस हॉस्पिटल को मेडिकल कॉलेज से जोड़ा है। इस प्रयास से हमने आमजन को मेडिकल सुविधा मुहैया कराने का उद्देश्य पूरा करने का प्रयास किया है और शहर को मेडिकल टूरिज्म की कड़ी से जोड़ने का प्रयास किया है। दस साल पहले जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल की स्थापना एक ही छत के नीचे सुपर स्पेशिएलिटी सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से की थी।

इसमें काफी हद तक कामयाबी का नतीजा है कि अब अहमदाबाद, मुंबई की बजाय हमारे शहर में गुणवत्ता वाला इलाज मुहैया हो रहा है। कैंसर जैसी बीमारी का भी हर तरह का इलाज यहां उपलब्ध है। अब मेडिकल साइंस में उत्तरोत्तर प्रगति का मौका है। हमारे शहर से ऐसे डॉक्टरों का निर्माण हो जो देश-दुनिया में पहुंचकर इलाज मुहैया कराए और इस शहर, संस्थान के नाम की छाप देश-दुनिया में छोड़े। इसी आशा और विश्वास के साथ आपका...

डॉ. कीर्ति जैन
सीएमडी

मेडिकल कॉलेज को मिली मान्यता हर साल तैयार होंगे युवा डॉक्टर

1

दस साल में जीबीएच ने शहर को दी आधुनिक चिकित्सा सुविधा : कटारिया

2

ट्रोमा और न्यूरोसर्जरी विभाग ने बचाई जान

3

दुर्घटना में घायल परिवार का परिजन बना स्टॉफ

4

न तंबाकू सेवन, ना ही कोई नशा, फिर भी कैंसर

5

हर गांठ कैंसर की नहीं होती, कैंसर से हारें नहीं, हराएं

6

घुमना किया बंद, रीढ़ की हड्डी की नसों पर पड़ने लगा दबाव

7

अब जच्चा को नहीं होगी प्रसव पीड़ा

8

मुंह के तलवे में गांठ के कारण गर्भवती नहीं खा पा रही थी खाना

9

रोगी के दिल में दो प्रमुख धमनियां, हुई बायफेरकेशन एजियोप्लास्टी

10

नाइट ब्लाइंडनेस के बच्चे का अब हुआ बुद्धि क्षमता का विकास

11

इंफ्लान्ट से लगाई स्थाई बत्तीसी

12

डे स्पेशल एक्टिविटी

13

मुख्यमंत्री भामाशाह योजना की सुविधा

14

संपादकीय मंडल

डॉ. आनंद झा
गुप डायरेक्टर

राजकुमार फत्तावत
डायरेक्टर ऑपरेशन

भवभूति भट्ट



मेडिकल कॉलेज को मिली मान्यता हर साल तैयार होंगे युवा डॉक्टर

एमबीबीएस के पहले बैच में 150 स्टूडेंट्स ने लिया प्रवेश

Vेष्टिदु बाजुसुकुय बाविव-व वकव एवमिय लोबास] म; िग दकसदश LokF; , oai fjoj dY; kkeaky; l slohfr fey xbA bl ds l kfkghl = 2016&17l s echcl dsi gys cfi dksi zskfn; kx; kA igysl = dsfy, 150l hki j i zski fdz ki jmgksid sckn , echcl dhi <kbZdh'kqvkr vDVvoj eghud sgqA



कैसे है हम खास

वेष्टिदु बाजुसुकुय बाविव-व dhuh j [kusoky sMvd hfr Zt fi fo'o i fi) v kki ky kVLV gA vki dsdij ds{ks eafd, dle dh Nki nru; k ds gj dks sea igpkuht krhgA bl t kuh ekuh l f'kr us bl baviv-w dks fl Ozevily d kvs ds i eagh ugh; gla vajjKVh Lrj ds ykksadksLVWWT- dschp ykdj ; kbhgamudschp yst kdj nru; k eagkj gs kA evily l kba s ea gksjgs cnyko vks Hfo"; dh t: jr dks /; ku ea j [krs gq v; ki u eat kA usdsizk dh l k j [kngA bl hd kur ht kgSd d kvs i f l j dsvykok gkLVy i f l j dk fuekZk Hh vki us vajjKVh ekudka dks /; ku ea j [krs gq dj k kgA

बहुप्रतीक्षित था यह मेडिकल कॉलेज

m; िग eaeEvily d kvs [kq us dkl i uk psje fi Mvd hfr Zt fi dk djhc 20 l ky i gkuk FkA m; िग eaeEvily d kvs [kq us dhl k l cl si gy smt gksghj [kh FkA veš dkeafuok jr gksds dkj.k bl sl kdj gks sea yak l e; yx x; kA mudhl k p gSfd ; gla l s , echcl djus okys evily LVWWT- vks bl baviv-w dks vajjKVh Lrj ij igpu feyA 'kij dk , d ek= , u, chp gkLVy vks [kq ds veš dkeagkLVy gks sl sogka Hh m t gaeEvily l kba l h kusd k ek k feyA

t hchp veš du gkLVy] t hchp tujy gkLVy vks t hchp eskj; y daj gkLVy dsckn vc veš du bajusukuy baviv-w v kVv evily l kba s , d u; kvk le t vAx; k gA l = dh'kqvkr dsigysfnu i gAs v fHh kodka vks evily LVWWT- dks fi ah iy Mv, l ds dks kd us l akkr fd; kA l kfkghd kvs o gkLVy dsfu; eka dh t kud kj h nA d kvs Qs W h usckj h ckj hl sl k spkj l ky rd i <k t kusokys fo'k kad sckj seacr k kA bl dsckn l Hh LVWWT- dks evily d kvs l s l a) t hchp tujy gkLVy vks daj l aj dsfoHh u foHh k ad knk s kd j k kx; kvks ogkaj ht kad schp gksokysv /; ki u l s voxr dj k kA



कार्यक्रम

दस सप्ताह तक हुए विविध कार्यक्रम



दशाब्दी समारोह की शुरुआत 9 जून को हॉस्पिटल परिसर में हुए एक कार्यक्रम में मेयर चंद्रसिंह कोठारी और उप मेयर लोकेश द्विवेदी की मौजूदगी में हुई थी। इसके बाद दस सप्ताह तक हॉस्पिटल के मैनेजमेंट टीम ने लोगों के बीच पहुंचकर विविध गतिविधियां, शिबिर आयोजित किए। इसका समापन हॉस्पिटल परिसर में 11 से 13 अगस्त तक तीन दिवसीय मेगा शिबिर से हुआ।

स्कॉलरशिप मिलेगी

दशाब्दी समारोह की श्रृंखला में हुए एंग्लोय वेल्फेयर सेमिनार में सीएमडी डॉ. कीर्ति जैन ने हर साल कोई भी 5 बच्चों को शिक्षा के लिए हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से स्कॉलरशिप देने की घोषणा की। इसके अलावा कर्मचारियों और उनके परिवार को निशुल्क चिकित्सा परामर्श सहित अन्य सुविधा देने का भी वादा किया।

चित्तौड़ में लगा शिबिर



दशाब्दी समारोह की श्रृंखला में चित्तौड़ अरबन कॉर्पोरेटिव बैंक के संयुक्त तत्वावधान से चिकित्सा परामर्श शिबिर आयोजित किया गया। उद्घाटन सांसद सीपी जोशी और विधायक चंद्रशान आखिया ने किया। इसमें कार्डियोलॉजिस्ट, एंडोक्रायनोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, चर्म रोग विशेषज्ञ, कैंसर रोग विशेषज्ञ ने कुल 365 मरीजों को उपचार दिया। मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ. आरएस नैनावटी ने हॉस्पिटल के बारे में जानकारी दी। कॉर्पोरेटिव बैंक चेयरमैन आईएम सेठिया, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुदेन्द्र सिंह, डेयरी चेयरमैन सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।



दस साल में जीबीएच ने शहर को दी आधुनिक चिकित्सा सुविधा : कटारिया

जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के 10 साल पूरे होने पर हुआ रंगारंग कार्यक्रम

दस सालों में जीबीएच ने शहर को दी आधुनिक चिकित्सा सुविधा : कटारिया जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के 10 साल पूरे होने पर हुआ रंगारंग कार्यक्रम।

दिनचर्या में बढ़ती उम्र में आने वाले बदलाव से बचाव की दी जानकारी

दशाब्दी समारोह की श्रृंखला में चित्तौड़ अरबन कॉर्पोरेटिव बैंक के संयुक्त तत्वावधान से चिकित्सा परामर्श शिबिर आयोजित किया गया। उद्घाटन सांसद सीपी जोशी और विधायक चंद्रशान आखिया ने किया। इसमें कार्डियोलॉजिस्ट, एंडोक्रायनोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, चर्म रोग विशेषज्ञ, कैंसर रोग विशेषज्ञ ने कुल 365 मरीजों को उपचार दिया। मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ. आरएस नैनावटी ने हॉस्पिटल के बारे में जानकारी दी। कॉर्पोरेटिव बैंक चेयरमैन आईएम सेठिया, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुदेन्द्र सिंह, डेयरी चेयरमैन सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।



दशाब्दी समारोह की श्रृंखला में चित्तौड़ अरबन कॉर्पोरेटिव बैंक के संयुक्त तत्वावधान से चिकित्सा परामर्श शिबिर आयोजित किया गया। उद्घाटन सांसद सीपी जोशी और विधायक चंद्रशान आखिया ने किया। इसमें कार्डियोलॉजिस्ट, एंडोक्रायनोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, चर्म रोग विशेषज्ञ, कैंसर रोग विशेषज्ञ ने कुल 365 मरीजों को उपचार दिया। मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ. आरएस नैनावटी ने हॉस्पिटल के बारे में जानकारी दी। कॉर्पोरेटिव बैंक चेयरमैन आईएम सेठिया, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुदेन्द्र सिंह, डेयरी चेयरमैन सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

ट्रोमा और न्यूरोसर्जरी विभाग ने बचाई जान

t hch, p vefj du gkLV/vy ds U jk t Zh v k s V k s fo H k x vi uh

NABH सर्टिफाइड हॉस्पिटल में इलाज से मिला जीवनदान

I scpkuk l H k o g k s k g s ; ghraught l e; ij feyk bykt ejt ds fy,

fo' k ki g p k u j [k r g s b l d k c M k d k j . k g S f d ; g k a g j o D r U j k s v k s b e j t a h V r e e b r s i j g r h g s ; g l a i g p u s o k y s r k y k a d k s f c u k b a t k j d s v r e l e ; j g r s b y k t ' k q d j r h n s h g s f o' k k k a d k H h e k u u k g s f d ? k y d k l e ; i j b y k t e g S k g k s l s f L F r f c x M a s

t h o u n k u l k f c r g k s k g s f i n u g k s k v k k h j k r ; g l a L o F N o k r k o j . k e a f e y s d k j x j b y k t d k g h u r t k g S f d t h c h p v e f j d u g k L V / v y d h d h b e j t a h l f o Z v k s V k s d s j n f k k j k t L F k u e a v i u s v k i e s i g p k u j [k r h g s

M i n d u k v a e a ; o k v a d h e k s d s v k l M i k y n j l k y n s k e a c r s f e y j g s g s n d u k e a x H j ? k y k a d k l e ; i j b y k t u g r a f e y u k b l d k , d c M k d k j . k l e u s v k k g s g l y g h , d v a s h v [l c k j d h f i k Z e a k y k k g p k f d n s k e a l M i n d u k v a e a d k o k d e k y s j k t L F k u e a f p a g r g q g s b l l s H h p k i k u s o k y h c k r ; g g S f d n d u k v a e a d k y d s x l c u s v f / d k a k ; o k 1 8 l s 5 4 o ' k Z d s c h p g s f o' k k k a d s v u o k j b u n d u k v a e a x H j ? k y k a d k l e ; i j l g h m i p k j f e y s r k H f o' ; e a g v k a l M k ? V l d r k g s g l y k a d l H h ' k j k a e a g k L V / v y d h l o p / k m i y O k g s y f d u , s s x H j ? k y k a d k s m i p k j d s l k f k b a d s k u d k [k r j k v k y u k H h c g n t : j h g k k g s ? k y k a e a b a d s k u O s y u s d k [k r j k t ; k n k j g r k g s , s s e a v U j k s ; k a v k s g k L V / v y d k b a d s k u j k a h d h f t a x h [k r j s e a M y l d r k g s

स्वच्छ वातावरण में गुणवत्ता वाला इलाज जरूरी

n f k k j k t L F k u e a t ; i j d s c k n f l Q Z t h c h p v e f j d u g k L V / v y g h , u , c h p l f v o k b M g k L V / v y g s ; g L o F N r k j x q o r k v k s j k s ; k l s O o g k j d s 6 3 6 e k u d i j s d j u s i j f e y k i z e k k g S t k s g j f d l h d k s u g r a f e y r k g s y x r k j i k l k y l s g i z e k k i = f l Q Z b l f y , f e y k g S D k a d ; g l a V k s l f g r l H h f o H k x k a e a e j t k a d k s b y k t d s l k f k L o F N r k d k i j k / ; k u f u ; f e r f i n ; k t k j g k g s

Road accidents in state snuffing out young lives

Age Group Of 18-34 Yrs Accounts For 55% Of Total Mishaps

Sharma.Saurabh @timesgroup.com



Jalpur: Road accidents are claiming many lives of young ones and those combat in the working population in the state. Out of 10,000 killed in 2015 about 85% were in the age group of 18-34 years, making it the third highest figure for this age group in the country. According to Road Accidents in India-2015 report, among those who died between the age group of 18-34, nearly 50% were male. In the age specific details, those between 18-34 years were major victims in which 2,948 were men and 276 women. Over 78% victims in road accidents were males. Officials claim that since working population remains on the move, it is likely that they are victims in such huge numbers. However, all the figures when added place Rajasthan only next to Tamil Nadu and

TRAGIC END: File pic of an accident site. As per records, 35% road fatalities happened in the age group of 18-34 years. Maharashtra in death of young population in road accidents. "The detailed age profile of road accident victims for calendar year 2015 reveals that the age group of 18-34 years ac-

counted for 35% of the total road accident fatalities, followed by the age group of 35-64 years accounting for a share of 35% of road fatalities," the report says. According to experts the actual number could be higher. "Deaths are counted only of those who died on the spot or while the victims were being to the hospital. There are many who die later during their treatment. Those numbers are not accounted for in the final list of the people killed," said Yogesh Lawania, who runs an NGO on road safety. Moreover, losing young working population in accidents has ripple effect. The first casualty is the victim's family and adds pressure on the government too. "In case the person who died was a sole breadwinner, then the whole family suffers financially along with trauma of losing one of their members. The government has a provision to give pension to the seriously injured. However, the injured loses out on economic productivity and it also puts burden of financial crunch," said an official of the transport department.

यह है देश का आंकड़ा

सबसे ज्यादा दुर्घटना वाले राज्य	राज्य में 2015 में मौत की स्थिति	10510
तमिलनाडू	पुरुष	78%
महाराष्ट्र	युवा 18 से 34 वर्ष	55%
राजस्थान	अधेड़ 35 से 64 वर्ष	35%

केस 1 बाहर आ गया था ब्रेन

बांसवाड़ा निवासी मुकेश चरपोटा (25) का सिर टेंपो पलटने से भारी पत्थर से टकरा गया था। उसके सिर की झिल्ली (DURAMATER) फटने से ब्रेन निकलकर बाहर आ गया था और सिर की हड्डी टूटकर दुर्घटना स्थल पर ही गिर गई थी। यहां सीटी स्कैन और एमआरआई से चोट की स्थिति का पता कर इमरजेंसी में ऑपरेशन किया गया। सिर के चोटग्रस्त जगह पर लगी मिट्टी और धूल की सफाई कर बाहर आए ब्रेन को व्यवस्थित किया। सिर की हड्डी के उस भाग को नया तैयार किया गया। तीन दिन बाद मरीज होश में आ गया। उसके सिर में कुल 52 टांके लिए गए। रोगी के साथ उसकी याददास्त भी सलामत है।



केस 2 सिर की हड्डी निकाली

नाथद्वारा के पास ट्रेक्टर-कार भिड़ंत में कानपुर उत्तर प्रदेश हाल जयपुर निवासी देशराज कमाल घायल हो गया था। उसे गंभीर हालत में जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल लाया गया था। इमरजेंसी में ऑपरेशन करते हुए देशराज की जान बचाने के प्रयास सफल हुए। आईसीयू में लगातार सिर में सूजन बढ़ने से फिर से ऑपरेशन कर उसके दिमाग की सूजन बढ़ने पर होने वाला खतरा टालने के लिए सिर की हड्डी हटाई गई। तीन दिन वेंटीलेटर पर रहने के बाद अब देशराज खतरे से बाहर है।



ट्रोमा टीम

टीम वर्क से आधी रात को सर्जरी



जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के विशेषज्ञों की टीम ने आधी रात में इमरजेंसी ऑपरेशन कर वृद्ध को सुरक्षित किया। हुआ कि ऋषभदेव निवासी जगजीवन भंडारी 80 गत 12 अप्रैल को घर में पैर फिसलने से गिर गए थे। उन्हें परिवार के लोग प्राथमिक उपचार कराकर रात 2 बजे जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। उन्होंने पहले से ही यहां इमरजेंसी में इन्फोर्म कर दिया था। ऐसे में ट्रोमा टीम अलर्ट थी। यहां पहुंचने पर इमरजेंसी में डॉक्टरों ने उनका परीक्षण कर सर्जन डॉ. नवीन गोयल को सूचित किया था। एक्स-रे व अन्य जांचों के बाद पाया गया कि श्री जगजीवन के गिरने से सिर में चोट के अलावा छाती में फेक्चर था व चोट के कारण पेट की आतें फट जाने से मल पेट में जमा हो रहा था। गंभीर घायल होने से डॉ. नवीन गोयल, डॉ. सौरभ जैन, डॉ. संदीप भटनागर और डॉ. पीयूष गर्ग की टीम गठित की गई और तड़के चार बजे ऑपरेशन थिएटर में लिया गया। इनका तुरंत पेट का ऑपरेशन कर पेट की सफाई की गई और अमाशय को सिला गया। अब जगजीवन भंडारी पूरी तरह स्वस्थ है।

जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल की ट्रोमा टीम 24x7 अलर्ट रहती है। यहां पहुंचने वाले घायल के लिए ट्रोमा टीम संबंधित विभागों को अलर्ट जारी करते हुए घायल के परिजनों से संपर्क में रहती है। ऐसे में उन्हें पहले से घायल की स्थिति का पता रहता है और उस लिहाज से सारी तैयारियां कर ली जाती है। यहां पहुंचने पर घायल का वक्त खराब होने की बचाना प्राथमिकता रहती है। टीम विभिन्न जांचों की प्रक्रिया पूरी करते हुए घायल का इलाज किया जाता है। जगजीवन भंडारी का भी इसी तरह समय पर इलाज होने से वे अब स्वस्थ है।

दुर्घटना में घायल परिवार का परिजन बना स्टॉफ

मिनिग्लिस्वर्गनकन
धनवर्कसिस्त्रक
ले; लकोकडि
दस्रि; क्तहसिकदकध
लेसुसवकजगवदिस
तजनरफहमगसखब
नकुडसकनदकगबोसि
ियवह[कखबमिेसिक
यकलोकफसफुसख
ग्यरैतत्चपवेसिदु
गकुव्ययस्तककx; क्तग
मिपकडसकनलहह
कपख, A

Lkaksdvubkj djk
esjkt dks xqjkr dki fjk
lokj fka; sl hhn mn; ij
gklj lkokj dks jkt dks ykx jgs fka
d s f j ; k t h d s i k g k b o s i j l k e u s l s v k j g s v d
l s b u d h f h m g l s x b a n k u k b r u h t c j n l r
f h f d d k j i y v r s g g k b o s i j g h m v h f x j x b a
o g k a v k i k e k s w y k s k a u s d k j l o k j l h h
y k s k a d k s t s r s f u d k y d j , a g s a l s t t c h p
v e s i d u g k u v y i g o k k a ; g k a b e j t a h e a
l h h d k b y k t ' k q f d ; k x ; k a g k u v y e a v f l k
j k s f o ' k k m v y k g [k u k d s u s r o e s b e j t a h
o v k k v r e u s m i p k j ' k q f d ; k a m m k u k u s
c r k k f d l h h d s e v h i y o s p j f a ? k y k a e a
j k t d k s f u o k h t s e u h h k b z v u k n d r] n ' k z k
v u k n d r] i o z k d k s p k j v o u h d k s p k v k s i k p
o " k z r h f z d k s p k f a b u d k v k u s u d j v i k v r e
u s g k u v y e a h t i z f d ; k x ; k a p l j f i n u d n l h h d k s
f i m p k t z j f r ; k a

जीबीएच के अस्थि रोग विभाग में मिला उपचार



राजकोट से भेजा संदेश

घायल परिवार में जेमिनी भाई के साले ने हॉस्पिटल प्रबंधन और डॉ. राहुल खन्ना को धन्यवाद का संदेश भेजा। इसमें उन्होंने तत्काल राहत के लिए धन्यवाद दिया है।



PATIENT TESTIMONIAL

I WANTED TO EXTEND A HEARTFELT THANK YOU FOR YOUR FANTASTIC CARE OF MY JIJU AND WHOLE FAMILY. YOUR QUALITY AND INTEGRITY AS A SURGEON AND MORE FUNDAMENTALLY, AS A PERSON, SHINE THROUGH. WE CANNOT THANK YOU ENOUGH FOR THE EXCELLENT CARE YOU HAVE PROVIDED FROM THE MOMENT WE MET YOU WERE CERTAIN GOD HAD LED US TO U. WORDS CANNOT DESCRIBE HOW GRATEFUL I AM FOR YOU. THANK YOU FOR TAKING SUCH GREAT CARE OF MY JIJU AND HIS FAMILY YOU HAVE A SPECIAL GIFT AS A SURGEON AND AS A PERSON. YOU DID SUCH A GREAT JOB THAT, FOLLOWING SURGERIES, HE WILL BE ABLE TO RECOVER QUICKLY AND WIN THE POLE, PEDAL, PADDLE ! I OWE MY TWO WINS TO YOU.

Contact number: 09825218500

हॉस्पिटल स्टाफ ने निभाई परिजनों की भूमिका

बताया गया कि दुर्घटना के बाद एंबुलेंस से सभी घायलों का यहां लाया गया था। उनके साथ कोई परिजन नहीं था, ऐसे में हॉस्पिटल के स्टाफ ने ही परिजनों की भूमिका निभाते हुए सभी को इलाज के साथ परिजनों के पहुंचने तक उनके साथ मौजूदगी दर्ज कराई।

तत्काल इलाज होता है जीबीएच में

हॉस्पिटल की ट्रोमा टीम 24 घंटे सातों दिन मुस्तैद रहती है। इसी का नतीजा है कि राजकोट निवासी परिवार के पहुंचने पर उन्हें तत्काल इलाज मुहैया हो सका। इन सभी मरीजों को रात में इमरजेंसी ऑपरेशन कर राहत दी गई। अब सभी स्वस्थ है। एनएबीएच प्रमाणित हॉस्पिटल होने से इसका फायदा रोगियों को मिलता है।

स्माइल ट्रेन

कटे तालु व होंठ के सात बच्चों का निशुल्क ऑपरेशन



अमेरिका की संस्था स्माइल ट्रेन एक्सप्रेस की ओर से कटे तालू व होंठ के सात बच्चों का इस साल जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में निशुल्क ऑपरेशन किया गया। यह ऐसे बच्चे थे जो जन्मजात कटे तालु व होंठ के थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने से परिजन महंगा इलाज नहीं करा पा रहे थे। स्माइल ट्रेन एक्सप्रेस की ओर से डॉ. डॉन वर्गिस ने जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. विमल मित्तल और डॉ. आशीष नाहर के साथ मिलकर केलूखेडा (छोटी सादड़ी) निवासी निर्मला (5) पुत्री शौकीन कुमावत, हकला (सराड़ा) निवासी अनिता (7) पुत्री रतनलाल माली और मंदसौर निवासी नीतेश (2) पुत्र हीरालाल पारीदार, केलवा (राजसमंद) निवासी पुरुषोत्तम (12) पुत्र भगवतीलाल सुधार, जयसमंद निवासी प्रियांशु (2) पुत्री देवेन्द्र मीणा, कलइवास निवासी सोहन (7 माह) पुत्र शंकर गमेती और राजसमंद निवासी अवनी (3) पुत्री इंद्रलाल जोशी का ऑपरेशन किया गया। ये सभी बच्चे जन्मजात कटे तालू और होंठ से पीड़ित थे। इनका स्माइल ट्रेन एक्सप्रेस में रजिस्ट्रेशन कर जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल प्रशासन ने निशुल्क ऑपरेशन कराया। अब तक स्माइल ट्रेन संस्था में 400 से अधिक बच्चों का इसी तरह का ऑपरेशन जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में हो चुका है। इसमें रजिस्ट्रेशन के लिए अपने नजदीकी अस्पताल में संपर्क किया जाए सकता है।

न तंबाकू सेवन, ना ही कोई नशा फिर भी कैंसर

गले से पेट तक जाने वाली ट्यूमर में होता है इसोफैगल

बल कैंसर दंत चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, यह एक प्रकार का कैंसर है जो गले से पेट तक जाने वाली ट्यूमर में होता है। इसोफैगल कैंसर एक प्रकार का कैंसर है जो गले से पेट तक जाने वाली ट्यूमर में होता है।



यह कैंसर एक प्रकार का कैंसर है जो गले से पेट तक जाने वाली ट्यूमर में होता है। इसोफैगल कैंसर एक प्रकार का कैंसर है जो गले से पेट तक जाने वाली ट्यूमर में होता है।

यह रही ट्रीटमेंट की प्रक्रिया

इसोफैगल कैंसर का ट्रीटमेंट कैंसर के प्रकार और उसके स्थिति के आधार पर निर्धारित किया जाता है। ट्रीटमेंट के लिए कैंसर के प्रकार और उसके स्थिति के आधार पर निर्धारित किया जाता है।



हर जगह बताया था नया रोग

इसोफैगल कैंसर एक प्रकार का कैंसर है जो गले से पेट तक जाने वाली ट्यूमर में होता है। इसोफैगल कैंसर एक प्रकार का कैंसर है जो गले से पेट तक जाने वाली ट्यूमर में होता है।



कैंसर ऑपरेशन

कैंसर हटाकर पैर कटने से बचाय



जीबीएच जनरल हॉस्पिटल के कैंसर सेंटर में 14 साल की बच्ची का पैर काटने से बचाते हुए डॉक्टरों ने कैंसर ग्रस्त भाग को हटाया। इसमें रोगी की सभी धमनियां सलामत रखते हुए यह ऑपरेशन किया गया। इविन सरकोमा नामक कैंसर का यह ऑपरेशन जीबीएच मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल के ऑन्कोसर्जन डॉ. कुदेश बंबोरा और आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. राहुल खन्ना की टीम ने किया। मटून निवासी किशोरी के पैर में कैंसर होने से उसके परिजन कई जगह मशविरा लेकर आए थे। सभी जगह बच्ची के पैर काटने की बात कही गई। यहां जीबीएच मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में दिखाने पर किशोरी का पैर बचाते हुए इलाज करना तय किया गया। इसके लिए किशोरी को ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. मनोज यू महाजन ने 21-21 दिन की तीन कीमो थैरेपी दी। उसके बाद कैंसर ग्रस्त हिस्से का डॉ. बंबोरा ने आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. राहुल खन्ना की टीम के साथ ऑपरेशन किया। इसमें कैंसर ग्रस्त भाग को हटाया गया। इसके लिए कैंसर सर्जन और आर्थोपेडिक की टीम ने रोगी किशोरी की सभी मांसपेशियां और धमनियां सलामत रखते हुए पैर के कैंसर ग्रस्त हिस्सा फिबुला को निकालकर बाहर किया। घाव भरने के बाद अब यह किशोरी उस पैर से पहले की तरह चलने फिरने लगी है।

हर गांठ कैंसर की नहीं होती कैंसर से हारें नहीं, हराएं

V अज्ज क'व'न 'क'केस' लेस व'क'ग'स'द' ग'ज' ल'क'य' 10 ल'स'11 य'क'क'य'क' द'ह'ज' ल'स'ि'ह'म'f' g'k's'g'g' ; g'r'a'f'f'r' j'g'h' r'k's' 2020 r'd' ; g' v'k'al' M'k' 10 i' f'r' 'k' r'd' c'<us'd'h'l' k'k'o'u'k'g'f'a' f'i'o' d's'bu' v'k'al' M'a'e'al' k'e'u's' v'k' k' f'd' i' q' 'k'k'e'a'e'a' O'Q' M'a'v'k's' e'f'g'y'k'v'k'e'a' L'r'u' d'h'j' l' d' l' s' T' ; k'n'k' f'e'y' j'g'k' g'f'a' e'f'g'y'k'v'k'e'a' d'h'j' d'h'x'k'k's'i' k'j' f'h'ld' v'o'l'f'k'e'a' n'v'k' d'h' u'f'y' ; k'a'l' s' 'l'q' g'k'l'j' v'k' i'k' d's' H'k'x' d'k's' i' H'k'f'o'r' d'j'r'h'g'f'a' b'l' e'a'v'f'/'d' k'a'k'x'k'k's'f'o' i' f'r' 'k' r'd' f'c'u'k' d'h'j' d'h'g'k's'h' g'f'a' v'f'/'d' k'a'k' j'k'x'h' d'h' f't' K'k' k' j'g'r'h'g'f'a' d'h'j' f'd'l' L'V's' i'j' g'f'a' ; g' i'k' %<k'k' d's'v'k'd'k'j' v'k's' n'v'j' s' H'k'x' e'a'Q'y' u's'd' s'r'j' l' s'i'r'k' p'y'r'k'g'f'a' t' : j'h'u'g'h'a'f'd' g'j' x'k'k' d'h'j' d'h' g'h' g'k'f'a' t' : j'r' b'l' l' s' M'j'u's'd'h' c't' k' Q'y' u's'l' s'j'k'l' u's' v'k's' g'j' k'u's'd' h'g'f'a'



जानिए कैसे बढ़ता है कैंसर

द'ह'j' d'h'x'k'k'v'k'l' l'e'k'j' d'k's' k'd'k'v'k'al' s'c'u'r'h'g'f'a' ; g' v'i' u's' L'f'k'u' d's'v'k' i'k' Q'y'r'h'g'f'a' i' k'j' f'h'ld' v'o'l'f'k'e's'bl' d'k'm'i' p'k'j' u'g'h'g'k's'i' j' ; g' v'u' H'k'x'k'a'e'a'c'<o'k'j' y's'h'g'f'a' d'h'j' d'h'b'l' v'o'l'f'k' d'k'e's'v'k'v's' l' d'g'r' s'g'f'a' i' k'j' f'h'ld' x'k'k' j' D'r' o'k'f'g'f'u' ; k'a' v'k's' y'k'f'i' d'k'l' s'k'j' h'j' d's' d'r'] Q'Q' M'g' M'h'v' k'f'n' e'a'c'u'r' h'g'f'a'

इन्हें है आशंका

- c<#<h'm'e'z'e'f'a
- t' k'x' H'k'z' r' h'u'g'h'a'g'z'g'k'a
- v'f'/'d' m'e'z'e's'f'o'o'k'g' g'k's' i' j'a
- n'k's'j' k' 'k'j' h'j' e'a'x'k'k' g'k's' i' j'a
- g'f'i' M'f' k'e'a'd' h'j' Q'y' u's' j'a
- y'a's' e' ; r'd' g'l'e'k'z' l' s'u'i' j'a
- i' f'j' o'k'j' e'a'f'd' l' h'd'k's'd' h'j' g'v'k' g'k'f'a' %<S' s'e'k'c'g'u'] n'k'h'] e'k's' h'z' (सतन कैंसर का स्वयं, मेमोग्राफी, सोनोग्राफी एवं साइटोलॉजी/ बायोप्सी से परिदाण सम्भव है।)

यह है लक्षण

- f'u'l'i' y' d'k'l'r' u' e'a'f'f'q' u'k'a
- f'u'l'i' y' e'a'n'n'z' k'l'='k'o' g'k's' i'k'a
- L'r' u' d's'v'k'd'k'j' e'a'f' f'j' o'r' z' g'k's' i'k'a
- ; g' 40o' "k'z' s'v'f'/'d' m'e'z'e's'g'k's' k'g'f'a
- e'l' e'a'f'd' l' h'i' z'l'k'j' d'k'c'n'y' k'o' g'k's' i'k'a
- j' t' k'u'o'f'r' g'k's' i' d' s'c'k'n' j' D'r' L'='k'o' g'k's' i'k'a
- [k'u'k'f'u'x' y' u's'o' i' p'k'u's'e' i' j' s'k'u'h'g'k's' i'k'a
- y'a's' e' ; l' s'n'k'y' s'g'k's' i'k' ; k'?'k'o' u' H'j' u'k'a
- [k'k'a' h'j' i' s'k'c'] n'v'v'h' ; k'e'y' e'a'f' k'a'v'v' k'u'k'a
- v'f'u' ; f'e'r' : i' l' s'n'l'r' y'x'u'k'o' d'Q' j' g'u'k'a
- L'r' u'@<c'x'y' e'a'f'd' l' h'i' z'l'k'j' d'h'x'k'k' d'k'g'k's' i'k'a
- v'l'o'k't' e'a'c'n'y' k'o'] y'a's' e' ; r'd' [k'k'a' h'd' k'j' g'u'k'a
- L'r' u' d'h'f'o'p'k'j' f'u'l'i' y' e'a'f' f'j' o'r' z' f'n' [k'u'k' ; k'e'g'l' l'w' g'k's' i'k'a

इन्होंने जीती कैंसर से जंग

l' f'v'j' 4 f'u'o'k' h'v'a'k' d' ; l' j' s't' M'h' h' L'd'y' d'h'f'j' V'k' M'z'i' f'i' f'i' y' g'f'a' b'l'g'a' 2009 Q'j' o'j' h' e'a' d'h'j' d'k' i'r'k' p'y'k' f'k'a' t' k'p'a'e'a'c'k'v' d'h'j' d'h' i' q'v'h'g'f'a' d'h'e'k's'f'f'f'ish' d's' c'k'n' m'u'd' s'c'y' t' M'x' , f'k'a' /k'j' & /k'j' s'l' c' d' d' l' l' e'k'j' g'k's'x' ; k'a' i' f'j' o'k'j' d'l' k'f'k'n's' i'v'k's' f'g'f'e'r' d' h'c'n'k's' r' o's'v'c' l'o'l'f'k'g'f'a'



M'j' i' j' g'k'y' l' f'v'j' 14 f'u'o'k' h'l' h'rk' i' z' k' r' d'k'l'r' u' e'a'l' c'l' s' i' g'y's' g'y'd'k' f'f' k'p'o' v'k's' x'k'k' t' s'k' e'g'l' l'w' g'v'k'k'a' t' k'p'a'e'a' L'r'u' d'h'j' d'h' i' q'v'g'f'a' i' f'r' t' ; f'u'y'k'y' u's' f'g'f'e'r' f'i'n'y' k'z' v'k's' t' h'c'h' , p' v'e's'f'j' d'u' g'k'l'm' v'y' e'a'l'r'j' n'j' l'r'j' m'i' p'k'j' l' s'v'c' l'o'l'f'k'g'f'a'



घूमना किया बंद, रीढ़ की हड्डी की नसों पर पड़ने लगा दबाव

रीढ़ की हड्डी का इलाज करते हैं स्पाइनसर्जन

केस 1 I yanj fuok h 'kdqk nsh 160½ I ffo; j csl is l s i fMf FkA t k eaj h+d h gMMh dh fMld ea [kj kch bl dk dkj.k fudyhA bl j kxhdksfu; fer nokv kxk fQft ; kxkshl smi plj fn; k x; kA gkykd mi plj yak pykj y fdu vc osLoLFkgA

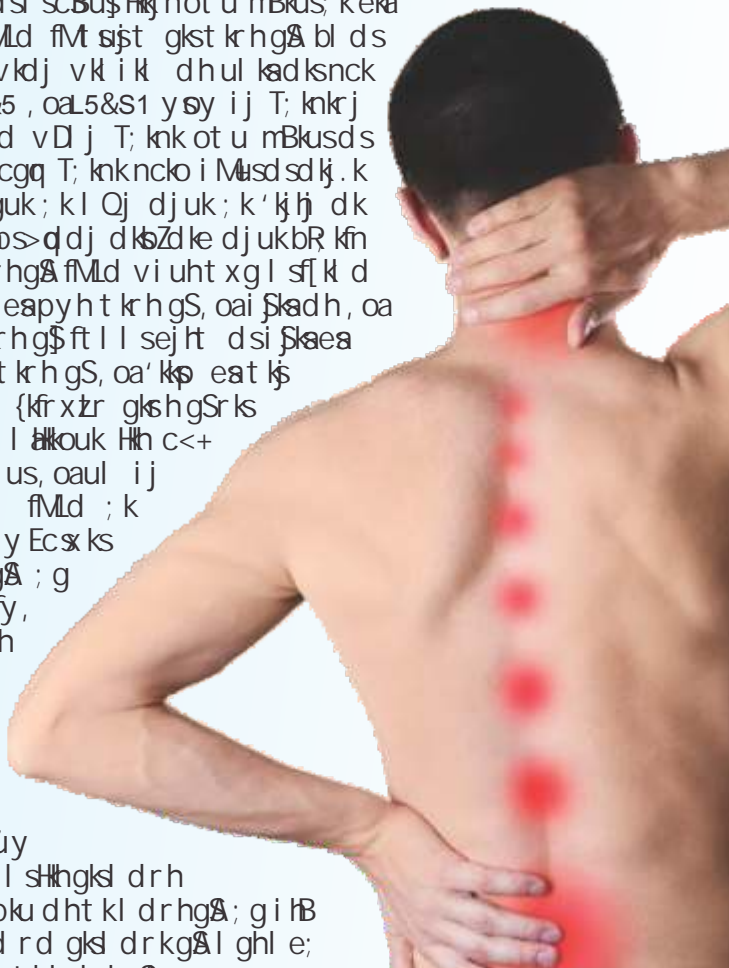
केस 2 fot ; nks l rkg l sck a i § eannZ i j s kku FkA m spyusfQj usea Hh fnDdr gksj gh FkA , ev kj v kbZ t k eam d sj h+d hgMMhea ,d rjQ flyi fMld dh f kd k r i kbZ x bA bl dk byk fQft ; kxkshl sfd; kx; kA i § dk byk bi hM-jy ba B ku l sfd; kx; kA

केस 3 , d 70 o'kZ j kx h nks r hu l ky l s py usead kQh fnDdr egl tw dj jgsFkA mud spyusd h {ker k de gksxbZ FkA i k p & n l fefuV pyusi j m gA i § eannZ v k § > U-ukgV gksy x r h FkA , ev kj v kbZ eaj h+d hgMMh dh ul kai j nco dk i r k pykA m dkl k k j . kul ka d k s [k s usd k v k y s ku dj r s g q byk f d ; k x ; k A v c osl mezes H h r \$ h l s 45 fefuV r d H h py y s g A

dej nnZ l kbVd kj ul ksdnco] r hznZ j h+ dh gMMh ea bB ku] dqM-u o vU vLoLFk kejt dks>d>kj ds j [knshgA] h+d hgMMho ul a t k s fd gekj s 'kj h ds l E v k Z H k k r d t k r h g S b l e a x M e M h d s d k j . k bl r j g dh l e L ; k g k s h g A Li k bu l t z bl r j g dk byk n s s g A Li k b z l t z h e a d e j o x n z dh l t z h l s l E c a r byk l h o g A v k e r k s i j d h r d y h o k d k byk fQft ; kxkshl s gh l h o g s y f d u c k e j h d s T ; k n k f c x M u s dh f L F k r e a , s s e j h t d k v k y s k u l s b y k f n ; k t k r k g A t r c h p v e s j d u g k v v y d k Li k bu f d y f u d d e j o j h + l s t o s g j e t Z d k byk n n Z d k b z k t] , W h b u l y k e s v h e s v l s k u] fQft ; k s F s h o Li k bu b a B k u] l t z h l s d j r k g A Li k bu l t z M V d q q v d c j h d s v u t k j c n y h f n u p ; k z v k s n r j k k ? j k a e a v k j k e n k d d t j Z k a d s d k j . k j h + d h g M M h e a n n Z d h f k d k r d s j k x h c < i j g s g A bl d s v y l o k , d v U d k j . k { k r x z r l M e s h g s c k d } L d v y p y k r s y x u s o k y s > V d k a l s g n n Z c < # k g A f u ; f e r ? e u l j O k l e d j u k b l d k ? j y o m i p l j g A

इसलिए होता है रीढ़ या पीठ का दर्द

gekj s kj h ead ej d s u h p s o k y h j h + d h g f M M k a d s c h p , d r j g d h f M l d ; k x n a h g k s h g A gekj h j h + d h g M M h 34 N k s / h g f M M l k a s f e y d j c u r h g s b u l H h n k s g f M M l k a d s c h p e a d f M l d g k s h g A x y r r j h d s l s c B u s H k j h o t u m B k u s ; k e k a i s k k a e a > V d s l s o g f M l d f M s i s t g k s t k r h g A b l d s v a j d k e s v s ; y c k j v k d j v k i k d h u l k a d k s n c k l d r k g A ; g i z o ; k L 4 & 5 , o a L 5 & S 1 y o y i j T ; k n k r j n s k u s d k s f e y r h g A f M l d v D j T ; k n k o t u m B k u s d s d k j . k Q V t k r h g s v F l o k c g q T ; k n k n c o i M u s d s d k j . k t s c g q n s r d c B s j g u k ; k l O j d j u k ; k ' k j h d k v R f / d o t u g k s k ; k u h p s > d d j d k b z d k e d j u k b R k f n v o L F k e a { k r x z r g k s t k r h g A f M l d v i u h t x g l s f l k d d j i h n s l i k b u y d s i k y e a p y h t k r h g s , o a i s k a d h , o a x t r k a k a d h u l k a d k s n c k h g s f t l l s e j h t d s i s k a e a l b u r k , o a d e t k s h v k t k r h g s , o a ' k p e a t k s y x k u k i M k g A ; f n u l { k r x z r g k s h g s r k s y d o s ; k i s k y f l d h l h k o u k H h c < + t k r h g A f M l d d s f l k d u s , o a u l i j n c o M y u s d k s g h f l y i f M l d ; k f l ; k f V d k v F k o k y E c x k s % u m b a g o % d g k t k r k g A ; g r d y h o t k u u s d s f y , , e v k j v k b z d h t : j r g k s h g A d h l e j h t k a e a ; g n o p / k f l y i f M l d d h o t g l s u g k s j v U j k a t s s v ; - e j] l e . k ; k Y s p j v k f z k o f v l i k a m y k o f v l i & l i k b z y d s i k y l v s i k l d h o t g l s h h g k l d r h g A ; g b u t k o k s g h i g p k u d h t k l d r h g A ; g i h B d k n n Z k e k j l s k r j u k d r d g k s d r k g A l g h l e ; i j b y k t y s i s s o l l s c p k t k l d r k g A



फिजियो सेंटर

फाइन 9 सेंटर शुरू



जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में फाइन 9 फिजियो सेंटर का उद्घाटन हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. आरएस नेनावटी ने किया। यहां गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान सेहत और शरीर में परिवर्तन रोकने में फिजियोथैरेपी से मदद मिलेगी। फाइन 9 फिजियो सेंटर शहर का पहला सेंटर होगा जो गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को फिटनेस के लिए काम करेगा। इसमें गर्भावस्था के तीन महीने बाद से फिटनेस के लिए वर्कआउट कराया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा गोयल का मानना है कि जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में पेनलेस डिलीवरी के बाद गर्भावस्था में महिलाओं को फिटनेस के लिए वर्कआउट कराना नया कसेट साबित होगा। स्त्री रोगविशेषज्ञ डॉ. मोनिका खडेलवाल के अनुसार यह कसेट अब तक बड़े शहरों तक सीमित था, लेकिन यहां इसकी शुरुआत से अब उदयपुर ही नहीं संभाग की गर्भवती महिलाओं को लाभ मिल सकेगा। फिजियोथैरेपी विभागाध्यक्ष डॉ. कृतिका बोत्या के अनुसार महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान सेहत व शरीर में परिवर्तन को संतुलित करने के लिए यह सेंटर खोला गया है। इसमें गर्भावस्था के दौरान कराई जाने वाली एक्साइज जच्चा और बच्चा दोनों की सेहत के लिए उपयोगी होगी।

इसका विशेष ध्यान दें :-

- बिना एक्सपर्ट एक्साइज न करें
- खान-पान पर विशेष ध्यान दें
- उठने-बैठने का विशेष ध्यान रखें
- ढीले कपड़े पहनें
- सदी, जुकाम का विशेष ध्यान रखें

अब जच्चा को नहीं होगी प्रसव पीड़ा

th chp vefj du gkM Vy dsxk fud foHkx eannZj fgr i z o
 10 lokkx jgusoky ki si Ld kx i z o dsnkku L0hu
 dst fj, nnZuki usd hbd kbZek= 2 lokkx rd vk x; k gA bl
 rdudl eai z o, fi M-jy , ukYt f ; k l si z o dj k kt kr k gA
 bl eai H ea, DLV k M-jy Li s ead s k j l s M k ba s V d h t k h
 gA xk fud foHkx k ; {k M M k i k x s y uscr k k fd : Vhu ea
 i sy s i z o ; g l a g k s y x k g A l cl sc M c k r ; g g S fd v c ; g l a
 v f / d k a k d s eannZj fgr uke z y f i v y h o j h g h d h t k j g h g A bl
 rdudl l sj k k u k r h u l s p k j f i v y h o j h g k s y x h g A



यह फायदे एपिड्यूरल एनेस्थीसिया से

- मां और बच्चे को सहज बना देता है।
- जिन मां को ब्लड प्रेशर रहता है उसे नीचे लाता है।
- दिल की बीमारी वाले रोगियों के लिए अच्छा है।
- दर्द के डर से सीजेरियन चाहते हैं, उसे टाला जा सकता है।
- जरूरत पर सीजेरियन प्रसव भी उसी एनालजेसिया से संभव।
- यह सीजेरियन सेक्शन की संभावना को नहीं बढ़ाता है।

वरदान साबित हो सकती है तकनीक

- कई महिलाएं प्रसव पीड़ा में मेडिकल सुविधा नहीं मिलने से डरती हैं।
- इस तकनीक से अधिकांश मामलों में पेन से लेकर डिलीवरी तक अधिकतम 8 घंटे से भी कम समय लगता है।
- प्रसव के दौरान दर्द से मां को राहत देता है।
- प्रसव पूर्व जांचों के लिए दौरान अपने डॉक्टर से चर्चा करें।

● 57 डेल तक (दर्द नापने की ईकाई) महिलाओं को दर्द सहने की क्षमता होती है।

● 45 डेल तक पुरुषों में दर्द सहने की क्षमता होती है।

● हर एक लाख पर 55 शिशुओं और 253 माताओं की होती है मौत।

गर्भावस्था में व्यायाम और फायदे

xHkZLFk ea i z vk dks
 vlgk d s kfkOk le d k H h
 /; ku j [kuk p k f g, A M R W j k a
 ds v u q k j bl l e; f d ; k
 x; k O k le i z o i h M k l gu
 d j u s d h { k e r k c < k r k g S v k s
 i z o d s e; d k O h l g k r k
 n s k g A f o' k s k k a d s v u q k j
 bl e a d b Z r j g d s O k le
 g k s g A t k s i z v k d k s
 fu; f e r d j u s p k f g,] y f d u
 bl d s f y, M R W j l s
 e' k f o j k y s i k t : j h g k s k g A
 d b Z c k j f c u k e' k f o j s d s
 f d ; k x; k O k; k e
 t P p k & c P p k n s k a d s f y,
 u d l k u n k d l k f c r g k s
 l d r k g A g y k a d x H k Z L F k
 e a O k le u; k V a M g S v k s
 ; g t P p k v k s c P p k n s k a
 d h ' o l u i f d z k j L o k L F;
 d h n i V l s v k s f Q v u s d k s
 y d j O k n e a l k f c r g k s k g A

ये व्यायाम होते हैं फायदेमंद

- डायफरमेटिक ब्रिदिंग
- कि एक्साइज
- ब्रिजिंग
- केट एंड कोमल एक्साइज
- आर्म एण्ड लेग राइजेज
- वॉल स्लाइड
- हिल राइजेज
- कोल्लर्स पॉज

अब खुशी में दर्द की जरूरत नहीं



t h c h p v e f j d u g k M V y d s h e M h M M V d f r i z
 t s i u s d g k f d c P p s d k t l e , d m r o g A bl
 t l e d s e; n n Z i z l f r d h n s i g S y f d u f o k k u
 u s b l [k k h d s e l g k s e a e k a d k s g k s i s o k y s n n Z e a
 c n y k o d j i z f r d h g A u, e g e k u d s v k u s d h
 [k k h d s b l i y e a n n Z d h t : j r i s y s
 f i v y h o j h l s k r e g o z g A x i z M k j s v j M a V k u a
 > k d k e k u u k g S f d , d L o L F k e k a g h L o L F k c P p s
 d k s t l e n s l d r h g A bl d s f y, b a V i v ; v l u y
 f i v y h o j h t : j h g A L = h j k f o' k s k M a V k i k
 x k s y u s n n Z j f g r i z o d s O k n s v k s x H k Z L F k
 e a j [k u s o k y h l k o k k f u; k a c r k b A l k f k g h L V e
 l s i f i z o z d j u s d s O k n s c r k A

क्रायोसर्जरी

राजस्थान और गुजरात में एंडोस्कोपी के जनक है डॉ. गुप्ता

जनरल सर्जन डॉ. ए.एस. गुप्ता भले ही 86 वर्ष के हो चुके हैं, लेकिन वे एंडोस्कोपी गेस्ट्रो इटेस्टाइनल; पेट और आंत और पाइल्स का इलाज हर दिन करते हैं। जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में सेवानिवृत्त रहे डॉ. गुप्ता राजस्थान, गुजरात और मध्यप्रदेश के पहले डॉक्टर हैं



जिन्होंने 1968 में उदयपुर के महाराणा भूपाल राजकीय हॉस्पिटल में एंडोस्कोपी शुरू की थी।

डॉ. गुप्ता 1967 में जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर थे। कोलंबो प्लान में एंडोस्कोपी प्रशिक्षण के लिए राजस्थान सरकार ने इनके नाम का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजकर कनाडा की मेकगिल यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण दिलाया था। वहां ट्रेनिंग से लौटने के बाद उनका तबादला उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज हुआ था। यहां लगातार राज्य सरकार को एंडोस्कोपी मशीन खरीद के लिए प्रस्ताव भेजते रहे, लेकिन सफल नहीं होने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया से उन्होंने मशीन नहीं खरीद पाने की स्थिति बताई। दो दिन में स्वीकृति और करीब 20 दिन की प्रक्रिया के बाद प्रदेश की पहली एंडोस्कोपी मशीन एमबी हॉस्पिटल में स्थापित हो सकी। इसके बाद यहां गुजरात, मध्यप्रदेश और राजस्थान में पहली होने से केंसर सहित पेट और आंत की बीमारी के मरीज एंडोस्कोपी कराने यहां आने लगे थे। उसके बाद प्रदेश व आसपास के राज्यों में यह मशीन स्थापित हुई थी। डॉ. गुप्ता राजस्थान ही नहीं उत्तर भारत में 1979 में सबसे पहले क्रायो सर्जरी करने वाले सर्जन हैं। वे इसकी पैरिस से ट्रेनिंग लेकर आए थे और उन्होंने ही सबसे पहले महाराणा भूपाल हॉस्पिटल में क्रायो सर्जरी शुरू की थी।

मुंह के तलवे में गांठ के कारण गर्भवती नहीं खा पा रही थी खाना

विश्व का 21वां मामला चिंहित

Thompson University, Dallas, Texas, USA. The patient is a 32-year-old pregnant woman who presented with a large, painless, soft, and lobulated mass in the floor of the mouth, which had been present for several months. The mass was located in the sublingual space, anterior to the sublingual gland, and was approximately 4 cm in diameter. The patient had no other symptoms, and her general health was good. She was in her 28th week of pregnancy. The mass was found to be a sublingual gland cyst, which is a rare condition. The patient underwent a surgical resection of the mass, and the pathology report confirmed the diagnosis. The patient is doing well postoperatively and is planning to deliver her baby soon.



The patient is a 32-year-old pregnant woman who presented with a large, painless, soft, and lobulated mass in the floor of the mouth, which had been present for several months. The mass was located in the sublingual space, anterior to the sublingual gland, and was approximately 4 cm in diameter. The patient had no other symptoms, and her general health was good. She was in her 28th week of pregnancy. The mass was found to be a sublingual gland cyst, which is a rare condition. The patient underwent a surgical resection of the mass, and the pathology report confirmed the diagnosis. The patient is doing well postoperatively and is planning to deliver her baby soon.

विश्व का 31वां मामला इंटरनेशनल लेवल पर होगी रिपोर्टिंग

The patient is a 32-year-old pregnant woman who presented with a large, painless, soft, and lobulated mass in the floor of the mouth, which had been present for several months. The mass was located in the sublingual space, anterior to the sublingual gland, and was approximately 4 cm in diameter. The patient had no other symptoms, and her general health was good. She was in her 28th week of pregnancy. The mass was found to be a sublingual gland cyst, which is a rare condition. The patient underwent a surgical resection of the mass, and the pathology report confirmed the diagnosis. The patient is doing well postoperatively and is planning to deliver her baby soon.

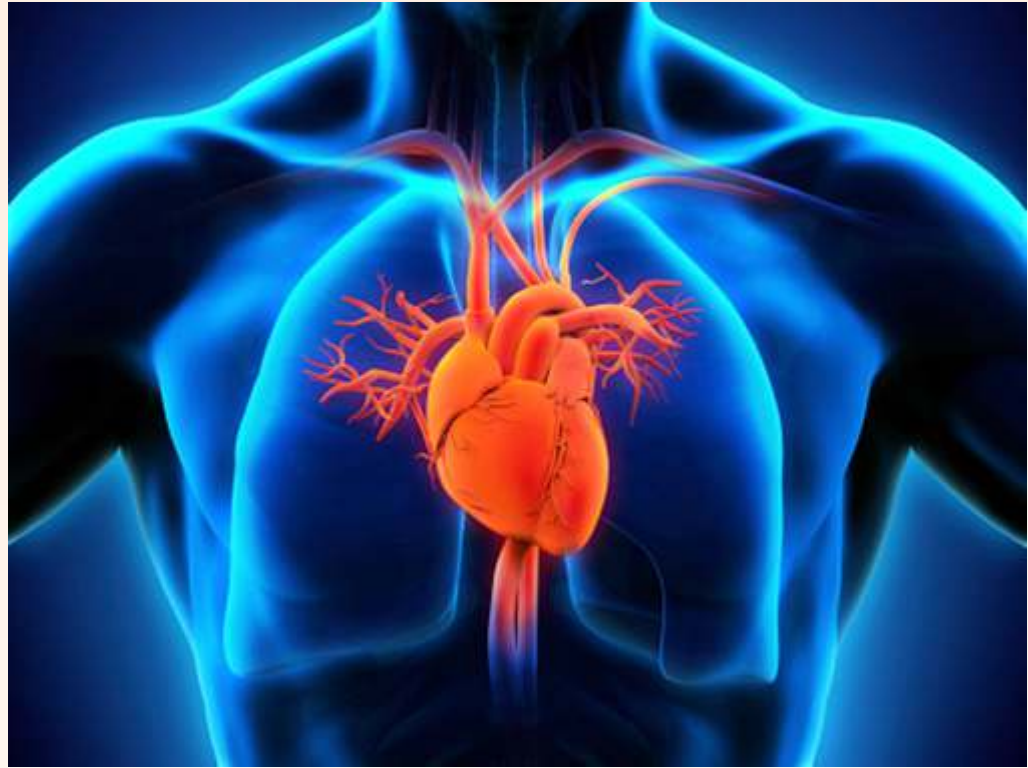
सिक्का निकाला

बच्चे के पेट से बिना ऑपरेशन निकाला सिक्का



खेलते हुए एक बच्चे ने पांच का सिक्का निगल लिया था। जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के गेस्ट्रोएंट्रोलाजी विभाग में इस बच्चे का बिना ऑपरेशन सिक्का निकालकर दो घंटे बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। शहर के नरेंद्र पटेल (4) को उसके परिजन के पेट दर्द की शिकायत होने पर तीन दिन तक विभिन्न अस्पताल लेकर गए थे। बच्चे के छिपाने से उसकी असलियत का पता नहीं चला। कहीं से भी राहत नहीं मिलने पर यहां डॉ. धर्मेश शाह ने उसका एक्स-रे करवाया। उसमें सिक्का दिखाई दिया। बच्चे ने बताया कि वह खेलते हुए मुंह में पांच का सिक्का पेट में उतार गया था। इस पर डॉक्टरों ने बिना ऑपरेशन सिक्का निकालना तय किया। बताया गया कि बेहेशी की दवा देकर बच्चे के बिना चिरफाड़ करे एंडोस्कोपी से सिक्का निकाला गया। सिक्का निकालने के बाद बच्चे को दो घंटे भर्ती रखा गया और डिस्चार्ज कर दिया गया। डॉ. धर्मेश शाह ने बताया कि आमतौर पर बच्चे सिक्का, आलपिन निगल जाते हैं। इसके अलावा मछली के कांटे भी फंस जाते हैं। ऐसे मामलों में एंडोस्कोपी से इस तरह की समस्या दूर की जाती है। इस बच्चे के साथ गनीमत रही कि सिक्के के कारण गले के अंदर कहीं भी चोट नहीं पहुंची। मछली के कांटों व आलपिन से गले की नली चोटग्रस्त हो जाती है। इसके इलाज में समय लगता है।

रोगी के दिल में दो प्रमुख धमनियां हुई बायफरकेशन एंजियोप्लास्टी



t h chp vesj du ds
d kVZ ky kVhI sj' eaj ksh
dhck Qj dsku , fit ; ksy kLVh
dhxbA bl d\$ eaubZck

i kbZxbA nkskal scj kj ek=k ea' kj hj
d ks[ku d hI ly kbZgkisl snkskad h
ck Qj dsku , fit ; ksy kLVh dj uk r ;
fd ; k x ; kA bl dsfy , ml dsnks

Fh fd j ksh dsfny ea, d dh
ct k nks%AD 1/2 y, Mhv kVZh
FkA nkskal sfny d kscj kj
[ku d hI ly kbZgkisl sj ksh
d snksLVh y x dj
, fit ; ksy kLVh dhxbZ
d kVZ ky kVh foHkx ds
l fu ; j ba'j oakuy
d kVZ ky kVh LV MvW fer
[ksy oky us ; g , fit ; ksy kLVh
dhvk\$ vc j ksh i jhr jg
LoLFk g\$ j ksh jkt l ea dk
55 o'kZ FkA fit l fnu j ksh
vLi rky i gpk Fkrc ml dh
MvW u ca gksd h fLFkr ea
FkA ml sl hi hv kj nsj MvW u
y k\$ kbZxbZ FkA ml dsr jpa
ckn j ksh d ksd \$ky s
eay sl j , fit ; k\$ Qhd hxbA ml l e ;
j ksh d snks%AD 1/2 y, Mhv kVZ j h

भतीजे की शादी में आया था अटैक

MvW [ksy oky usnks, y, M] nkskaeacy kd \$ gksiv k\$
nkskad hck Qj d \$ u , fit ; ksy kLVh dj usoky k bl i z l j
dk ; g l k\$ esi gy keley kg\$ MvW [ksy oky uscr k k
fd nks y, Mhv kVZhoky sej lt , d i fr' kr l shhd e gks
g\$ x j Mj j \$Vj MvW kua >k uscr k k fd jkt l ea
fuok hj ksh ds?j, eaHr lt sd h' knh FkA ogkam se \$ j
gkVzvV\$ vk k FkA ogkai kFfed ml plj d sckn ml s
i ft u m ; i j y sl j i g\$ s FkA ; gkai g\$ rsl e ; j ksh dh
MvW u de gksx ZFkA bl i j ml s gkai g\$ rshbejt \$ h
eay sl j l hi hv kj nsj MvW u y k\$ dj l Qy ck Qj d sku
, fit ; ksy kLVh dj j ksh d kcpk kx ; kA

LVh yxk x, FkA vc j ksh dh
fLFkr i jhr jg LoLFk gSvk\$ ml svxys
, d nksfnu eackn fMpkt Zdj fn ; k
x ; kA

मोबाइल एप

अब मोबाइल एप पर भी मिलेगी जांच रिपोर्ट



जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल ने मोबाइल एप एप्लिकेशन 1/2 लांचिंग के साथ सुविधाओं का विस्तार किया है। इसमें रोगी की जांच रिपोर्ट परिजनों को ऑनलाइन मिल सकेंगी। इससे मरीजों को मोबाइल एप पर हॉस्पिटल और बीमारी से जुड़ी सभी जानकारी भी उपलब्ध होगी।

जीबीएच के मोबाइल एप पर डॉक्टर के एपॉइंटमेंट लिए जा सकेंगे। इससे आउटडोर में मरीज को डॉक्टर परामर्श के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। वे हॉस्पिटल से दिए गए समय का टोकन लेकर डॉक्टर से परामर्श ले सकेंगे। हॉस्पिटल में उपलब्ध सुविधाएं, डॉक्टर आदि की जानकारी भी एप पर उपलब्ध होगी। इमरजेंसी में यह हेल्पलाइन काफी मददगार साबित होगी। एप में खासियत होगी कि हॉस्पिटल में होने वाली मरीज की जांच रिपोर्ट भी उसपर डाउनलोड की जाएगी। मरीज अपने पर्वी पर अंकित लेब नंबर के आधार पर मोबाइल एप पर ही जांच रिपोर्ट देख सकेंगे। इससे आउटडोर के रोगियों को रिपोर्ट लेने के लिए हॉस्पिटल आने की जरूरत नहीं होगी। भर्ती मरीज के परिजन भी रिपोर्ट से अपडेट रहेंगे। यह जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल दक्षिणी राजस्थान और संभाग का पहला हॉस्पिटल है जिसने खुद का एप लांच किया है। इस मोबाइल एप के साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

नाइट ब्लाइंडनेस के बच्चे का अब हुआ बुद्धि क्षमता का विकास

एक लाख में से एक बच्चा होता है इस सिंड्रोम का शिकार

10

l ky dk
gks pdk
,d cPpk
u Bhd l s
cky i krkFk v k s u gh
d kbZ ckr l e> i krk
FkA pl k kusoky kr F;
; g gSfd l wkr ckn
m sf n[kuk Hh ca gks
t krk gS bāj uskuy
xkbMy kb u d sv ut kj
; g y k/ eV fcMy k
fl d s y {kk gS
bl rjg dscPps, d
y k k ea, d gks gS
t hch p ve s j du
gkV/ Vy ds f k kj k
foHkx eaMy %4 y 1/2
l sbl rjg d s d cPps
dks byk ds fy,
i fjt u y s j i g s f k
fi Ny spkj eghus d s
byk dh cnk s r vc
cPps d h c {ler kd k
d k Qh gn rd fod k
g p k gS og d k Qh gn
rd v le cPps d hrj g
cky us v k s l e> us y x k
gS cPpk y k/ eV
fcMy fl d s l s
i h m f gS bl eacPps d hv k k d s gkd ky k s k gS l wkr ckn fn[kbZ u g r a n s i s d s d k j . kog ut k v
y kb m i s d k H h f k d k j gS m d s t u u k a H h i j n r j g fod fl r u g h a g S v k s , D v k s d V e L V l g S
bl cPps d hv y x & v y x l t z h d j l H h r j g d s j k s k d k n j v f d ; k t k x k j t c f d c f {ler kd k
fod k v k s cky us d h {ler kc < kus d k d le fu; fer nok; k s f d ; k t k j g k gS d j h c p k j eghus d s
byk v k s i f j t u k s d k s f n , e' k f o j s l s k j i j f n , byk t l s g l h o g p k g S cPps d s i f j t u m l d k
d b z t x g byk t d j k p d s f k y f d u v c l f v d byk t l h o g p k g S



मानसिक स्थिति थी कमजोर

bl cPps d h e k u f i d f l F k r d k Q h
det k s F k A m l d s g k f v k s i s ea
6 & 6 v a t y ; k a g S ; g l H h N i k s v k d k j
d h e k v h g S og g k b i k s f k ; k s k b M l s
x z r g S m l s f n , t k j g s byk t l s
m l d h e k u f i d f l F k r B h d g o z g S v k s
m l d k F k ; k s k b M d k L r j fu; k r
j g u s y x k g S

जिन्स म्यूटिशन है कारण

t l e d s l e ; cPps e a f t U E v f k u d s
d k j . k ; g y {k k g k s g S , s c c P p s b l h
fl d s f k d k j g k s g S v c r d d s d s
b a j u s k u y y o y d h L V M h d s v u t k j b l
r j g d s c P p s n a r ; k e a , d y k k i j , d
g k s g S b l g a l e ; d s l k f k v y x & v y x
byk t n s j m u d h f l F k r e a l d k j f d ; k
t k r k g S

ईएनटी विभाग

खोखला जबड़ा निकाल बनाया नया जबड़ा

t hchp veşdu gkV/Vy dsbZuVhfOlkx ea qrhds t cMdk vkiVysku dj u; k df=e t cMk cuk k x; kA bl eafnypli cr ; g jgh fd bl i jhi fdzkeapsjs ij dksZphk ughayxk k x; kvş ; qrhdspsjsdh vldfr dks l yker j[k x; kA bZuVhfOlkxk; {kMwV dfu" d esrkus gvkiVysku fd; kA mlgas crk k fd nskj hfuok hyhyk (24) dks t cMk ea nnZ dh f kdk r FkA ml dsnkā fgyusyxs FkA l VhLds vş ck k h dh fji kZ ea ml s fcukbu vkiVysku sud dşkVks fl LV i k k x; kA bl ij ml dk t cMk gvuk ghfod Yi FkA ml sfcuk phk yxk eg ds vaj l svkiVysku dj [kjlc t cMk gvk k x; kA bl ds l kfk gh VkbVsu; e l su; k t cMkr Sjk fd; kx; kA bl i jhi fdzkeafgykd spsj s dki jk /; ku j [k x; kvş u, t cMk dk fuekZk Hh efgyk ds psjs dh i jkuh vldfr dk /; ku esj [krsgg fd; kx; kA bl dsfy, ml ds t qku dsulpsvş xly dh peMh dk mi; k dj u; k t cMk cuk k x; kA vc efgyk i gyst Ssnkākdk blrsky dj ds [kuk [kus yxhgā

इसलिए जबड़ा ढो जाता है खोखला

fcukbu vkiVysku sud dşkVks fl LV t cMk ea Qşrk gā ; g l seh l s 'kq gkşj Qşko djrsgg t cMk [kşkyk djrk gā bl eanā dhi dMdet kş gkasi j fgyusyxrsgā bl efgykdst cMk [kşkyk gkās vş nnZcusjgusl sl vu clgj rd fn [kusyxfkA

इंप्लांट से लगाई स्थाई बत्तीसी



पहले



अब

eg i kpy (5) को खाने में दिक्कत होती थी। इतनी कम उम्र में दांत नहीं होना हैरानी का विषय था। जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में हुई जांच के बाद पता चला कि अनुवांषिक बीमारी के कारण हर्श को बाल, त्वचा और दांतों की समस्या थी। इसे मेडिकल साइंस में एक्टोडर्मल डिस्प्लेजिया कहा जाता है। एक्स-रे एवं अन्य जांचों के बाद पता चला कि उसके उपरी जबड़े में सिर्फ चार दांत थे और बाकी दांत आने की कोई स्थिति नहीं थी। उसके नीचले जबड़े में एक भी दांत नहीं थे।

उसने पहले भी बत्तीसी लगवाई थी, वह ढीली थी। इसके कारण वह बार-बार निकल जाती थी। पूरी जांच के बाद दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. गुंजन गुप्ता ने ऊपर के जबड़े के चार दांतों का सहारा देकर फिक्स दांत लगाए और नीचले जबड़े में इंप्लांट का सहारा लेकर बत्तीस लगाई।

एक्टोडर्मल डायफिरिया

टाइटेनियम का होता है इंप्लांट

यह इंप्लांट एक टाइटेनियम का स्कू होता है जो जबड़े की हड्डी में फिक्स किया जाता है। इस इंप्लांट पर बत्तीसी बनाई जाती है। फिक्स बत्तीसी के कारण अब उसके चेहरे की चमक भी लौट आई है। इंप्लांट से बत्तीसी लगाने का काम किसी भी उम्र में किया जा सकता है।

फिक्स बत्तीसी के फायदे

- रोगी को खाना खाने में दिक्कत नहीं होती है।
- चेहरे की चमक स्थाई बत्तीसी की तरह बनती है।
- बार-बार दांत निकालने की झंझट नहीं होती है।
- दांतों की सफाई आम व्यक्ति की तरह कर सकते हैं।
- यदि कुछ भी दांत कम हो तो वह भी इंप्लांट से लगा सकते हैं।

फ्लोराइड के कारण था दांतों में पीलापन

egaz d qkj , echl dk Nk= gā nkā ea i hyki u gksd sd kj . k og nkr kad schp T; knk gā het kd ughadjrk FkA nkā ea i hyki u dh f kdk r yslj og t hchp t u j y gkV/Vy ds f kfoj esi gpkFkA; gkfofHlu t kpkāsi k kx; k şlykş I d sd kj . knkā ea i hyki u FkVş ml ds nka [kjlc gkj gFkA Mvj nku ekgsoj husbykt dkf km yv r Sjk dj l leku t pkad sck j k h dkl krkfgd ml pkj dsfy, cşk kA gj l lrg l şfed feVvhdsyş l snkāk dksi gyst Skcuk fn; kA egaz d qkj uscrk kfd nkā ea i hyki u ds d kj . kog ' kfeāxhegl wdjrkFkVş cr djrs oDr eg ij : eky j [krkFkA



पानी के कारण थी समस्या

nkā ea i hyki u dki zşkd kj . k şlykş bM; q i kuhFkA l leku r; knkāk d sfod k dsfy , i kuhē şlykş bM d kLrj Q&5 1&5 i h h e rd gkşkpfg, y şdu ; g Mj i j] ckā oMk ukş vş jkt Lfku ds d bZ [kş eā 5 l sde Lrj ij gŞl ds i kko l şlykş bM/cşVş LVş/d i kko i M k gā ft l l snkāk ea i yki u] l Qş AC şnkāsi j kşj ; k gkşkbR kn d bZ el; k şlykş hgā

जीबीएच कैंप

शिविर में मिली निःशुल्क चिकित्सा सुविधा



जीबीएच जनरल हॉस्पिटल, बेडवास में 20 जून से 20 जुलाई तक निशुल्क चिकित्सा शिविर लगा। शिविर में चित्तौड़गढ़, मंदसौर, इंदूरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद, सिरोही और बांसवाड़ा के रोगियों की अधिकता रही। इसमें विभिन्न रोगों का डॉक्टरों ने परामर्श देते हुए इलाज शुरू किया। इसमें रोगियों को परामर्श सहित जांचें व ऑपरेशन सुविधा भी निशुल्क रही।

अस्थि रोग शिविर



जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में तीन दिवसीय जोड़ प्रत्यारोपण, आर्थ्रोस्कोपी रोग निवारण शिविर हुआ। इसमें 140 रोगियों का पंजीकरण किया गया। डॉ. राहुल खन्ना और टीम ने इन रोगियों को परामर्श के साथ रोग से निजात के उपाय बताए। शिविर 18 से 20 मई तक हुआ।

सावा में लगा मल्टी स्पेशियलिटी शिविर

आदित्य बिरला सीमेंट सावा और जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के तत्वावधान में शनिवार को सावा स्थित आदित्य हॉस्पिटल परिसर में निशुल्क चिकित्सकीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। गुप डायरेक्टर डॉ. आनंद झा ने बताया कि शिविर में 350 रोगियों को उपचार दिया गया। इसमें कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमित खंडेलवाल, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल खन्ना, ऑक्युलिजिस्ट डॉ. मनोज यू महाजन, फिजिशियन डॉ. मनीष आमेदा ने सेवाएं दीं। आदित्य बिरला सीमेंट के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. विनय वर्मा मौजूद थे।

स्वाधीनता दिवस



जीबीएच में फहराया तिरंगा

70th Loktak festival in the name of "Bharat Mata", the first time in the history of the state. The flag was hoisted in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries.

स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस



65 का सम्मान, किया रक्तदान

65th birthday celebration of the Chief Minister. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries.

डॉक्टरों ने किया पौधरोपण, वनभ्रमण

Doctors and staff members participated in a tree-planting and forest visit. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries.



डॉक्टर्स डे



तिलक लगा दी बधाईयां

Doctors and staff members were honored with a tilak ceremony. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries.

योग दिवस



कर्मचारियों ने किया योग

Employees participated in a yoga session. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries. The event was held in the presence of the Chief Minister and other dignitaries.

जीबीएच से जुड़े नए साथी



डॉ. आर.एस. नैनावटी

मेडिकल सुप्रीटेंडेंट, जी.बी.एच. अमेरिकन हॉस्पिटल



राजकुमार फल्तावत

डायरेक्टर ऑपरेशन, जी.बी.एच. अमेरिकन हॉस्पिटल



डॉ. नवीन गोयल

एम.एस., एफ.एन.बी. (ट्रोमा), FISS लेप्रोस्कोपिक एवं ट्रोमा सर्जन



डॉ. शिल्पा गोयल

एम.एस., (प्रसूति एवं स्त्री रोग) कन्सल्टेंट प्रसूति एवं स्त्री रोग, आई.बी.एफ. एवं निस्तानता विशेषज्ञ



डॉ. राहुल खन्ना

एम.एस., आर्थोपेडिक्स कंसल्टेंट जोड़ प्रत्यारोपण एवं आर्थोस्कोपी (युटने, कुल्हे और कंधे के विशेषज्ञ सर्जन)



डॉ. कुतुब अकबरी

एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) फ्लोशिप इन स्पाइड सर्जरी



मुख्यमंत्री भामाशाह योजना की सुविधा

th जीबीएच जनरल और जीबीएच मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल को राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री भामाशाह योजना में इलाज के लिए अधिकृत किया है। इसमें भामाशाह कार्ड वाले परिवार के लिए जीबीएच गुप के यह दोनो हॉस्पिटल में इलाज संभव होगा। जीबीएच प्रबंधन ने कार्ड धारक रोगियों की सुविधा के लिए कैंपस में काउंटर लगाया है जहां मार्गदर्शक रोगी की सारी प्रक्रिया पूरी करते हुए असुविधा से बचाते हैं और इलाज शुरू कराएगा। इस योजना में खासियत है कि रोगी को सारी सुविधा भर्ती होने पर अस्पताल में मुहैया होगी। इसमें रोगी के भर्ती होने से लेकर डिस्चार्ज तक सारी जिम्मेदारी हॉस्पिटल की होगी। रोगी का बैड खर्च, ऑपरेशन थिएटर खर्च से लेकर नाश्ता, भोजन सहित सारी डाइट अस्पताल के नर्सिंग केयर में मुहैया कराई जाएगी।

दो तरह की है योजना

- सेकंड लेवल ट्रीटमेंट के लिए 30 हजार रुपए तक प्रति परिवार को लाभ दिया जाता है।
- गंभीर बीमारी में 3 लाख तक कैशलेस सुविधा रोगी के भर्ती होने पर उपलब्ध कराई जाती है।



मार्गदर्शक कराएगा प्रक्रिया

- रोगी या उसके परिवार को भामाशाह कार्ड पंचायत स्तर पर या ई मित्र काउंटर पर बनता है।
- अस्पताल में रोगी को भामाशाह कार्ड, राशन कार्ड, रोगी का आईडी प्रुफ जिसमें आधार कार्ड, वोटर आईडी, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि में से एक लाना जरूरी होता है।

कैंसर रोगियों को है ईएसआईसी सुविधा

जीबीएच मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) लाभार्थियों को कैशलेस इलाज के लिए अधिकृत किया गया है। इसमें कैंसर रोगियों को कैंसर सर्जरी, रेडियोथैरेपी तथा कीमोथैरेपी की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इसमें ईएसआईसी से पंजीकृत रोगी को संबंधित ईएसआईसी डिस्पेंसरी से रेफर होना जरूरी होता है। रोगी को भर्ती होने पर ही कैशलेस सुविधा मुहैया होती है। फायदे वाली बात यह है कि थैरेपी के समय भी ऐसे रोगियों को उसी दिन डिस्चार्ज पर भी सुविधा मुहैया होती है। रोगी को ईएसआईसी डिस्पेंसरी से रेफर पत्र के साथ ईएसआईसी कार्ड, आईडी प्रुफ, एम्प्लोयर सर्टिफिकेट, चार फोटो, पात्रता प्रमाण पत्र तथा रोगी द्वारा लिखित प्रार्थना पत्र, ईएसआईसी डिस्पेंसरी के नाम पर लाना होगा। इस पर रोगी को जीबीएच मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में यह सुविधा मुहैया हो सकेगी।

